



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Savera Times	29.11.2024	--	--

Crops can be saved by biological control of nematodes: Dr Jasrotia

@TheSaveraTimes

Network

Hisar : The two-day annual review meeting on the importance of nematodes in agriculture, organised under the All India Coordinated Research Project at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, concluded.

Scientists and researchers from 24 centres across the country participated in this meeting. Dr Poonam Jasrotia, Additional Director General of Indian Council of Agricultural Research, said that crops can be saved by biological control of nematodes. She said that the problem of nematodes is increasing day by day and the contribution of nematode scientists is important in providing relief to farmers



Participants in the meeting with officials

from this problem. This could prove to be important. Scientists will have to work more efficiently to solve the nematode problem. Program Coordinator Dr. Gautam Chawla presented a detailed report of the work done by various centers on nematodes. He also emphasized on all scientists and researchers to work in coordination in this field. Biodiversity, production from nematodes were

discussed in the meeting. The results of reduction in nematode control through different crops, vegetables, oilseeds, protected cultivation and bio-control were shared and future plans were made. Dr. RK Jain emphasized on increasing the number of posts of nematode scientists so that work can be done in a planned manner to deal with this problem which is increasing in the country.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29.11.24	3	3-5

सूत्रकृमियों के जैव नियंत्रण से फसलों को बचाया जा सकता है: डॉ. पूनम जसरोटिया

‘कृषि में सूत्रकृमियों का महत्व’ विषय पर वार्षिक समीक्षा बैठक संपन्न

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत-कृषि में सूत्रकृमियों का महत्व विषय पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक का समापन हुआ। इस बैठक में देश भर के 24 केन्द्रों के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. पूनम जसरोटिया ने कहा कि सूत्रकृमियों के जैव नियंत्रण से फसलों को बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सूत्रकृमियों की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है और किसानों को इस समस्या से निदान करने में सूत्रकृमि वैज्ञानिकों का योगदान महत्वपूर्ण साबित हो



सूत्रकृमियों की बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी अधिकारियों के साथ।

सकता है। सूत्रकृमि की समस्या का निदान करने के लिए वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. गौतम चावला ने विभिन्न केन्द्रों द्वारा सूत्रकृमियों को लेकर किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से इस क्षेत्र में आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर भी बल दिया। बैठक में जैव विविधता, सूत्रकृमियों से

उत्पादन में कमी, विभिन्न फसलों, सब्जियों, तिलहन, संरक्षित खेती तथा जैव नियंत्रण के साथ सूत्रकृमि में नियंत्रण के परिणाम साझा किए गए तथा भविष्य की योजना बनाई गई। डॉ. आरके जैन ने सूत्रकृमि वैज्ञानिकों के पदों की संख्या बढ़ाए जाने पर जोर दिया ताकि देश में बढ़ती जा रही इस समस्या से निपटने के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जा सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभान्चार	29-11-24	5	1-4

सूत्रकृमियों के जैव नियंत्रण से फसलों को बचाया जा सकता है : डॉ. पूनम जसरोटिया एचएयू में 'कृषि में सूत्रकृमियों का महत्व', विषय पर दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक संपन्न

हिसार, 28 नवम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत-कृषि में सूत्रकृमियों का महत्व विषय पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक का समापन हुआ। इस बैठक में देश भर के 24 केन्द्रों के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. पूनम जसरोटिया ने कहा कि सूत्रकृमियों के जैव नियंत्रण से फसलों को बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सूत्रकृमियों की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है और किसानों को इस समस्या से निदान करने में सूत्रकृमि वैज्ञानिकों का योगदान



बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी अधिकारियों के साथ।

महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। सूत्रकृमि की समस्या का निदान करने के लिए वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। प्रोग्राम को ऑर्डिनेटर डॉ. गौतम चावला ने विभिन्न केन्द्रों द्वारा सूत्रकृमियों को लेकर किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से इस

क्षेत्र में आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर भी बल दिया। बैठक में जैव विविधता, सूत्रकृमियों से उत्पादन में कमी, विभिन्न फसलों, सब्जियों, तिलहन, संरक्षित खेती तथा जैव नियंत्रण के साथ सूत्रकृमि में नियंत्रण के परिणाम साझा किए गए तथा भविष्य की योजना बनाई गई। डॉ. आरके जैन ने सूत्रकृमि

वैज्ञानिकों के पदों की संख्या बढ़ाए जाने पर जोर दिया ताकि देश में बढ़ती जा रही इस समस्या से निपटने के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जा सके। डॉ. एचएस गॉड ने बताया कि भूतकाल के अनुभव से भविष्य की योजना बनाकर सूत्रकृमि का प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। डॉ. क्रान्ति ने संरक्षित खेती में सूत्रकृमि नियंत्रण के बारे में बताया। बैठक में डॉ. हेमराज, डॉ. निशी केसरी, डॉ. होसागुदार, डॉ. प्रह्लाद, डॉ. आशीष कुमार व डॉ. मंजुनाथ ने गत वर्ष के दौरान किए गए कार्यों की जानकारी दी। डॉ. अनिल कुमार ने बैठक में धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन डॉ. चेत्रा भट्ट ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	29.11.24	4	6-8

सूत्रकृमियों के जैव नियंत्रण से फसलों को बचाया जा सकता है : डा. पूनम जसरोटिया

जागरण संवाददाता • हिसार : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत वीरवार को कृषि में सूत्रकृमियों का महत्व विषय पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक का समापन हुआ। इस बैठक में देश भर के 24 केंद्रों के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक डा. पूनम जसरोटिया ने कहा कि सूत्रकृमियों के जैव नियंत्रण से फसलों को बचाया जा सकता है। सूत्रकृमियों की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है और किसानों को इस समस्या से निदान करने में सूत्रकृमि वैज्ञानिकों का योगदान महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। सूत्रकृमि की समस्या का निदान करने के लिए वैज्ञानिकों को ओर अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना



एचएयू में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी अधिकारियों के साथ। • पीआरओ

होगा। प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डा. गौतम चावला ने बताया कि बैठक में जैव विविधता, सूत्रकृमियों से उत्पादन में कमी, विभिन्न फसलों, सब्जियों, तिलहन, संरक्षित खेती तथा जैव नियंत्रण के साथ सूत्रकृमि में नियंत्रण के परिणाम साझा किए तथा भविष्य की योजना बनाई। डा. आरके जैन ने सूत्रकृमि वैज्ञानिकों के पदों की संख्या बढ़ाए जाने पर

जोर दिया। डा. एचएस ने बताया कि भूतकाल के अनुभव से भविष्य की योजना बनाकर सूत्रकृमि का प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। डा. क्रांति ने संरक्षित खेती में सूत्रकृमि नियंत्रण के बारे में बताया। बैठक में डा. हेमराज, डा. निशी केसरी, डा. होसागुदार, डा. प्रहलाद, डा. आशीष कुमार व डा. संजुनाथ ने गत वर्ष के दौरान किए कार्यों की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	29-11-24	4	1-4

सूत्रकृमियों के जैव नियंत्रण से फसलों को बचाया जा सकता है : डॉ. पूनम जसरोटिया

‘कृषि में सूत्रकृमियों का महत्व’, विषय पर 2 दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक संपन्न

हिसार, 28 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत- कृषि में सूत्रकृमियों का महत्व विषय पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक का समापन हुआ। इस बैठक में देश भर के 24 केन्द्रों के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। मंच का संचालन डॉ. चेन्ना भट्ट ने किया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. पूनम जसरोटिया ने कहा कि सूत्रकृमियों के जैव नियंत्रण से फसलों को बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सूत्रकृमियों की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है और किसानों को इस समस्या से निदान करने में सूत्रकृमि वैज्ञानिकों का योगदान महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

सूत्रकृमि की समस्या का निदान करने के लिए वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना



बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी अधिकारियों के साथ।

होगा। प्रोग्राम को ऑर्डिनेटर डॉ. गौतम चावला ने विभिन्न केन्द्रों द्वारा सूत्रकृमियों को लेकर किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से इस क्षेत्र में आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर भी बल दिया।

बैठक में जैव विविधता,

सूत्रकृमियों से उत्पादन में कमी, विभिन्न फसलों, सब्जियों, तिलहन, संरक्षित खेती तथा जैव नियंत्रण के साथ सूत्रकृमि में नियंत्रण के परिणाम साझा किए गए तथा भविष्य की योजना बनाई गई।

डॉ. आर.के. जैन ने सूत्रकृमि वैज्ञानिकों के पदों की संख्या बढ़ाए जाने पर जोर दिया, ताकि देश में

बढ़ती जा रही इस समस्या से निपटने के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जा सके। डॉ. क्रान्ति ने संरक्षित खेती में सूत्रकृमि नियंत्रण के बारे में बताया। बैठक में डॉ. हेमराज, डॉ. निशी केसरी, डॉ. होसागुदार, डॉ. प्रहलाद, डॉ. आशीष कुमार व डॉ. मंजुनाथ ने गत वर्ष के दौरान किए गए कार्यों की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	24-11-24	12	1-5

समीक्षा बैठक

एचएयू में 'कृषि में सूत्रकृमियों का महत्व', विषय पर दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

बैठक में देश भर के
24 केन्द्रों के वैज्ञानिकों
एवं शोधार्थियों ने
भाग लिया

दिनोंदिन बढ़ती जा रही सूत्रकृमियों की समस्या : डॉ. जसरोटिया

हरिभूमि न्यूज ►► हिसार



हिसार। बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी अधिकारियों के साथ।

फोटो: हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत-कृषि में सूत्रकृमियों का महत्व विषय पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक गुरुवार को सम्पन्न हो गई। इस बैठक में देश भर के 24 केन्द्रों के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. पूनम जसरोटिया ने कहा कि सूत्रकृमियों के जैव नियंत्रण से फसलों को बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सूत्रकृमियों की

समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है और किसानों को इस समस्या से निदान करने में सूत्रकृमि वैज्ञानिकों का योगदान महत्वपूर्ण साबित हो

सकता है। सूत्रकृमि की समस्या का निदान करने के लिए वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। प्रोग्राम को ऑर्डिनेटर

डॉ. गौतम चावला ने विभिन्न केन्द्रों द्वारा सूत्रकृमियों को लेकर किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों एवं

शोधकर्ताओं से इस क्षेत्र में आपस तालमेल के साथ कार्य करने पर बल दिया। बैठक में जैव विविधता सूत्रकृमियों से उत्पादन में कर्म विभिन्न फसलों, सब्जियों, तिलहन संरक्षित खेती तथा जैव नियंत्रण के साथ सूत्रकृमि में नियंत्रण परिणाम साझा किए गए तथा भविष्य की योजना बनाई गई।

इस अवसर पर डॉ. आरके जैन, डॉ. एचएस गॉड, डॉ. क्रान्ति, डॉ. हेमराज, डॉ. निशी केसर, डॉ. होसागुदार, डॉ. प्रहलाद, डॉ. आशीष कुमार, डॉ. मंजुनाथ, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. चेन्ना भट्ट आ मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर उजाला	29-11-24	4	1-3

सूत्र कृमियों से फसलों को बचाने पर काम करें वैज्ञानिक : डॉ. पूनम

एचएयू में 'कृषि में सूत्रकृमियों का महत्व' विषय पर वार्षिक समीक्षा माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत-कृषि में सूत्र कृमियों का महत्व विषय पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक के समापन पर आईसीएआर की अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. पूनम जसरोटिया ने कहा कि सूत्रकृमियों के जैव नियंत्रण से फसलों को बचाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि सूत्रकृमियों की समस्या दिनों-दिन बढ़ती जा रही है और किसानों को इस समस्या से निदान करने में सूत्रकृमि वैज्ञानिकों का योगदान महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। सूत्रकृमि की समस्या का निदान करने के लिए वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा।

प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. गौतम चावला ने विभिन्न केंद्रों द्वारा सूत्रकृमियों को लेकर किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों एवं



विविध के अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी। स्रोत संस्थान

शोधकर्ताओं से इस क्षेत्र में आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर भी बल दिया। बैठक में जैव विविधता, सूत्रकृमियों से उत्पादन में कमी, विभिन्न फसलों, सब्जियों, तिलहन, संरक्षित खेती तथा जैव नियंत्रण के साथ सूत्रकृमि में नियंत्रण के परिणाम साझा किए गए तथा भविष्य की योजना बनाई गई।

डॉ. आरके जैन ने सूत्रकृमि वैज्ञानिकों के पदों की संख्या बढ़ाए जाने पर जोर दिया ताकि देश में बढ़ती जा रही इस

समस्या से निपटने के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जा सके। डॉ. एचएस ने बताया कि भूतकाल के अनुभव से भविष्य की योजना बनाकर सूत्रकृमि का प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। डॉ. क्रांति ने संरक्षित खेती में सूत्रकृमि नियंत्रण के बारे में बताया। बैठक में डॉ. हेमराज, डॉ. निशी केसरी, डॉ. होसागुदार, डॉ. प्रह्लाद, डॉ. आशीष कुमार व डॉ. मंजुनाथ ने गत वर्ष के दौरान किए गए कार्यों की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	28.11.2024	--	--

एचएयू में कृषि में सूत्रकृमियों का महत्व विषय पर समीक्षा बैठक संपन्न

नभ-छोर न्यूज़ ४४ 28 नवंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत- कृषि में सूत्रकृमियों का महत्व विषय पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक का समापन हुआ। इस बैठक में देश भर के 24 केन्द्रों के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. पूनम जसरोटिया ने कहा कि सूत्रकृमियों के जैव नियंत्रण से फसलों को बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सूत्रकृमियों की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है और किसानों को इस समस्या में निदान करने में सूत्रकृमि वैज्ञानिकों का योगदान महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। सूत्रकृमि की समस्या का निदान करने के लिए वैज्ञानिकों को



और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। प्रोग्राम को ऑर्डिनेटर डॉ. गौतम चावला ने विभिन्न केन्द्रों द्वारा सूत्रकृमियों को लेकर किए गए कार्यों को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से इस क्षेत्र में आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर भी बल दिया। बैठक

में जैव विविधता, सूत्रकृमियों से उत्पादन में कमी, विभिन्न फसलों, सब्जियों, तिलहन, संरक्षित खेती तथा जैव नियंत्रण के साथ सूत्रकृमि में नियंत्रण के परिणाम साझा किए गए तथा भविष्य की योजना बनाई गई। डॉ. आरके जैन ने सूत्रकृमि वैज्ञानिकों के पदों की संख्या बढ़ाए जाने पर जोर

दिया ताकि देश में बढ़ती जा रही इस समस्या से निपटने के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जा सके। डॉ. एचएस गौड ने बताया कि भूतकाल के अनुभव से भविष्य की योजना बनाकर सूत्रकृमि का प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। डॉ. कान्ति ने संरक्षित खेती में सूत्रकृमि नियंत्रण के

बारे में बताया। बैठक में डॉ. हेमराज, डॉ. निशी कसरी, डॉ. होसागुदार, डॉ. प्रहलाद, डॉ. आशीष कुमार व डॉ. मंजुनाथ ने गत वर्ष के दौरान किए गए कार्यों की जानकारी दी। डॉ. अनिल कुमार ने बैठक में धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन डॉ. चेतना भट्ट ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	28.11.2024	--	--

जैव नियंत्रण से फसलों को बचा सकते हैं : डॉ. जसरोटिया

एचएयू में 'कृषि में सूत्रकृमियों का महत्त्व', विषय पर दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिंसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत कृषि में सूत्रकृमियों का महत्त्व विषय पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक का समापन हुआ। इस बैठक में देश भर के 24 केन्द्रों के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. पूनम जसरोटिया ने कहा कि सूत्रकृमियों के जैव नियंत्रण से फसलों को बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सूत्रकृमियों की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है और किसानों को इस समस्या से निदान करने में सूत्रकृमि वैज्ञानिकों का योगदान महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। सूत्रकृमि की समस्या का निदान करने के लिए वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा।



बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी अधिकारियों के साथ।

प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. गौतम चावला ने विभिन्न केन्द्रों द्वारा सूत्रकृमियों को लेकर किए गए कार्यों को रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से इस क्षेत्र में आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर भी बल दिया। बैठक में जैव विविधता, सूत्रकृमियों से उत्पादन में कमी, विभिन्न फसलों, सब्जियों, तिलहन, संरक्षित खेती तथा जैव नियंत्रण के साथ सूत्रकृमि

में नियंत्रण के परिणाम साझा किए गए तथा भविष्य की योजना बनाई गई।

डॉ. आरके जैन ने सूत्रकृमि वैज्ञानिकों के पदों की संख्या बढ़ाए जाने पर जोर दिया ताकि देश में बढ़ती जा रही इस समस्या से निपटने के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जा सके। डॉ. एचएस गौंड ने बताया कि भूतकाल के अनुभव से भविष्य की योजना बनाकर सूत्रकृमि का

प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। डॉ. क्रान्ति ने संरक्षित खेती में सूत्रकृमि नियंत्रण के बारे में बताया। बैठक में डॉ. हेमराज, डॉ. निशी केसरी, डॉ. होसागुदार, डॉ. प्रहलाद, डॉ. आशीष कुमार व डॉ. मंजुनाथ ने गत वर्ष के दौरान किए गए कार्यों की जानकारी दी। डॉ. अनिल कुमार ने बैठक में धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन डॉ. चेन्ना भट्ट ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29-11-24	3	1

क्रिकेट प्रतियोगिता में एचएयू
की टीम फाइनल में पहुंची



हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय की टीम ने मत्स्य महाविद्यालय की टीम को आठ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। मैच के शुभारंभ अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीनक जागरण	29.11.24	4	6-8

कृषि कालेज की टीम मत्स्य कालेज को हरा फाइनल में पहुंची



हकूवि में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में डा. एसके पाहुजा खिलाड़ियों के साथ

जागरण संवाददाता • हिसार : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित इंटर कालेज क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय की टीम ने मत्स्य कालेज की टीम को आठ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। मैच के शुभारंभ पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा बतौर मुख्य अतिथि रहे।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने कहा कि खेलों से खिलाड़ियों में अनुशासन एवं भाईचारे की भावना कायम होती है। मत्स्य महाविद्यालय की टीम के कप्तान ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। बलराम की घातक गेंदबाजी के कारण उनका यह निर्णय गलत साबित हुआ और पांच बल्लेबाज केवल आठ रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गए। अरविंद व

- हकूवि में इंटर कालेज क्रिकेट प्रतियोगिता जारी
- आठ रन से जीता मैच, बलराम को मैन आफ द मैच चुना गया

ऋषिपाल 25 व 17 के स्कोर पर नाट आउट रहे। टीम अपने निर्धारित ओवर में 77 रन ही बना सकी। कृषि महाविद्यालय की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए नौ ओवर में ही निर्धारित लक्ष्य पाकर दो विकेट पर 8 रन से मैच जीता। टीम के कप्तान वरुण पंजेता ने 28 गेंद पर 43 रन, सुमित ने 17 रन बनाए। बलराम को गेंदबाजी के चलते मैन आफ द मैच घोषित किया। इस दौरान सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डा. बलजीत गिरधर, सह छात्र कल्याण निदेशक डा. सुशील लेगा, रणधीर ढाका, निर्मल सिंह, दलजीत सिंह, इन्दु चौधरी, रमेश चौधरी आदि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब कैसरी	29-11-24	1	2-4



डॉ. एस.के. पाहुजा खिलाड़ियों के साथ।

क्रिकेट प्रतियोगिता में एग्री कॉलेज की टीम फाइनल में पहुंची

हिसार, 28 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय की टीम ने मत्स्य महाविद्यालय की टीम को आठ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच के शुभारंभ अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. पाहुजा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने दोनों टीमों

के खिलाड़ियों का परिचय लेने के उपरांत अपने सम्बोधन में कहा कि खेलों से खिलाड़ियों में अनुशासन एवं भाईचारे की भावना कायम होती है।

मत्स्य महाविद्यालय की टीम के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। लेकिन बलराम की घातक गेंदबाजी के कारण उनका यह निर्णय गलत साबित हुआ और पांच बल्लेबाज केवल आठ रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गए।

इसके पश्चात अरविंद व

ऋषिपाल ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाज 25 व 17 के स्कोर पर नॉट आउट रहे। टीम अपने निर्धारित ओवर में 77 रन ही बना सकी। कृषि महाविद्यालय की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए नौ ओवर में ही निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करके दो विकेट पर 8 रन से मैच जीत लिया। टीम के कप्तान वरुण पंजेता ने 28 गेंद पर 43 रन बनाए। वहीं सुमित ने 17 रन बनाए। मैच के अंत में बलराम को उनकी घातक गेंदबाजी के चलते मैच ऑफ द मैच घोषित किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	24-11-24	4	2-4

मत्स्य महाविद्यालय को 8 विकेट से हराकर फाइनल में पहुंची कृषि महाविद्यालय की टीम एचएयू में इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता जारी, बलराम रहे मैन ऑफ द मैच

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय की टीम ने मत्स्य महाविद्यालय की टीम को आठ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच के शुभारंभ अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया।

मत्स्य महाविद्यालय की टीम के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया, लेकिन बलराम की घातक गेंदबाजी के कारण उनका यह निर्णय गलत साबित हुआ और पांच बल्लेबाज केवल आठ रन के स्कोर पर ही



डॉ. एसके पाहुजा खिलाड़ियों के साथ। ज्ञात संस्थान

पवेलियन लौट गए। इसके बाद अरविंद व ऋषिपाल ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाज 25 व 17 के स्कोर पर नॉट आउट रहे। टीम अपने निर्धारित ओवर में 77 रन ही बना सकी। कृषि महाविद्यालय की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए नौ ओवर में ही निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करके दो विकेट पर 8 रन से मैच जीत लिया। टीम के कप्तान वरुण पंजेता ने 28 गेंद पर 43 रन बनाए। वहीं सुमित ने 17

रन बनाए। मैच के अंत में बलराम को अच्छी गेंदबाजी के चलते मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस अवसर पर सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुशील लेगा, रणधीर ढाका, निर्मल सिंह, दलजीत सिंह, इंदू चौधरी, रमेश चौधरी, डॉ. पवन पूनिया, डॉ. सुरेश सुरा, डॉ. दिनेश यादव, रविंदर खुराना एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अज्ञीत समाचार	29-11-24	5	1-3

हकृवि में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की टीम फाइनल में पहुंची हकृवि में इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता जारी

हिसार, 28 नवम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय की टीम ने मत्स्य महाविद्यालय की टीम

को आठ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच के शुभारंभ अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. पाहुजा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का परिचय लेने के उपरांत अपने संबोधन में कहा कि खेलों से खिलाड़ियों में अनुशासन एवं भाईचारे की भावना कायम



डॉ. एसके पाहुजा खिलाड़ियों के साथ।

होती है। मत्स्य महाविद्यालय की टीम के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। लेकिन बलराम की घातक गेंदबाजी के कारण उनका यह निर्णय गलत साबित हुआ और पांच बल्लेबाज केवल आठ रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गए। इसके पश्चात अरविंद व ऋषिपाल ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाज 25 व 17 के स्कोर पर नॉट आउट रहे। टीम अपने निर्धारित ओवर में 77

रन ही बना सकी। कृषि महाविद्यालय की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए नौ ओवर में ही निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करके दो विकेट पर 8 रन से मैच जीत लिया। टीम के कप्तान वरुण पंजेता ने 28 गेंद पर 43 रन बनाए। वहीं सुमित ने 17

रन बनाए। मैच के अंत में बलराम को उनकी घातक गेंदबाजी के चलते मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। इस अवसर पर सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुशील लेगा, रणधीर ढाका, निर्मल सिंह, दलजीत सिंह, इन्दु चौधरी, रमेश चौधरी, डॉ. पवन पूनिया, डॉ. सुरेश सुरा, डॉ. दिनेश यादव, रविंदर खुराना एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	24-11-24	12	4-6

क्रिकेट में कृषि कॉलेज की टीम फाइनल में पहुंची

एचएयू में इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता जारी

हरिभूमि न्यूज | हिंसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमी फाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय की टीम ने मत्स्य महाविद्यालय की टीम को आठ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच के शुरुआत अवसर पर गुरुवार को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का परिचय लिया। मत्स्य महाविद्यालय की टीम



हिसार। डॉ. एसके पाहुजा खिलाड़ियों के साथ।

फोटो: हरिभूमि

के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया लेकिन बलराम की घातक गेंदबाजी के कारण उनका यह निर्णय गलत साबित हुआ और पांच बल्लेबाज केवल आठ रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गए। इसके पश्चात

अरविंद व ऋषिपाल ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाज 25 व 17 के स्कोर पर नाट आउट रहे। टीम अपने निर्धारित ओवर में 77 रन ही बना सकी। कृषि महाविद्यालय की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए नौ ओवर में ही निर्धारित

लक्ष्य प्राप्त करके दो विकेट पर 8 रन से मैच जीत लिया। टीम के कप्तान चरण पंजेता ने 28 गेंद पर 43 रन बनाए। वहीं सुमित ने 17 रन बनाए। मैच के अंत में बलराम को उनकी घातक गेंदबाजी के चलते मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	28.11.2024	--	--

हकृवि इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता, कृषि महाविद्यालय की टीम फाइनल में

कप्तान वरुण पंजेता ने 28 गेंद पर 43 रन बनाए, बलराम को मैन ऑफ द मैच किया घोषित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय की टीम ने मत्स्य महाविद्यालय की टीम को आठ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच के शुभारंभ अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. पाहुजा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का परिचय लेने के उपरांत अपने सम्बोधन में कहा कि खेलों से खिलाड़ियों में अनुशासन एवं भाईचारे की भावना कायम होती है।

मत्स्य महाविद्यालय की टीम के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया लेकिन बलराम की घातक गेंदबाजी



डॉ. एसके पाहुजा क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ।

के कारण उनका यह निर्णय गलत साबित हुआ और पांच बल्लेबाज केवल आठ रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गए। इसके पश्चात अरविंद व ऋषिपाल ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाज 25 व 17 के स्कोर पर नॉट आउट रहे। टीम अपने निर्धारित ओवर में 77 रन ही बना सकी। कृषि महाविद्यालय की

टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए नौ ओवर में ही निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करके दो विकेट पर 8 रन से मैच जीत लिया। टीम के कप्तान वरुण पंजेता ने 28 गेंद पर 43 रन बनाए। वहीं सुमित ने 17 रन बनाए। मैच के अंत में बलराम को उनकी घातक गेंदबाजी के चलते मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

इस अवसर पर सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुशील लेगा, रणधीर ढाका, निर्मल सिंह, दलजीत सिंह, इन्दु चौधरी, रमेश चौधरी, डॉ. पवन पूनिया, डॉ. सुरेश सुरा, डॉ. दिनेश यादव, रविंदर खुराना एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।